हिन्दू धर्म व अन्य लोककथाओं में लोगों का जो विश्वास है उसमें भारत की जैव विविधता के संरक्षण की अभूतपूर्व क्षमता है। श्रद्धालु करीब सवा लाख ऐसे पवित्र उपवनों की रक्षा करते हैं जो सैंकड़ों प्रजातियों का घर हैं। भारत में पवित्र उपवन ऐसे क्षेत्र हैं जिनकी सुरक्षा पूरा समुदाय धार्मिक आस्था के साथ करता है। इन उपवनों में रहने वाले साँपों जैसे जीवों की भी सुरक्षा की जाती है जिन्हें आमतौर पर अवांछित माना जाता है। अधिकांशतः मंदिरों से संबंधित और संरक्षित ये उपवन भारत के लोगों के लिए सांस्कृतिक रुप से बहुत महत्वपूर्ण हैं और साथ ही अविश्वसनीय रुप से सघन जैव विविधता का गढ़ भी। वर्ष 2017 में प्रकाशित एक शोध पत्र में पश्चिमी हिमालय के दो पवित्र उपवनों की केस स्टडी की गई थी, देश में जैव विविधता पर इनके प्रभाव को जानने के लिए। इनमें से एक है उत्तराखंड का हरियाली देवी मंदिर क्षेत्र, जो रुद्र प्रयाग में 4200 फीट की ऊंचाई पर कोडिमा गांव के पास है। यहां मंदिर में शेर पर सवार हरियाली देवी की मूर्ति है। इससे लगे हुए छोटे से उपवन में पौधों की 80, स्तनपायी जीवों की 12, पक्षियों की 9 तथा तितली की 7 प्रजातियां मिलती हैं। समीपवर्ती तुंगनाथ उपवन में तो काले भालू भी हैं। कई अन्य अध्ययनों में पवित्र उपवनों में अविश्वसनीय रुप से समृद्ध जैव विविधता मिलने की पुष्टि की गई है। सैंट्रल -वैस्टर्न घाट के पवित्र उपवनों में वृक्षों की 144 प्रजातियां मिलती हैं, जबकि इसी क्षेत्र के ग्रामीण जंगलों में वृक्षों की केवल 91 प्रजातियां ही हैं। आंध्र प्रदेश के पल्लालम्मा मंदिर के पुजारी लक्ष्मण आचार्य ने कहा, ''यह ऐसी चीज़ है जो हर हिन्दू में रची बसी है, मंदिर, वृक्ष, तालाब सब पूजनीय माने जाते हैं।'' सभी तरह की संस्थाएं अब यह मानने लगी हैं कि, देश की प्राकृतिक विरासत में इन उपवनों का क्या महत्व है। एप्लाइड एनवायरमैंट रिसर्च फाउण्डेशन ने वैस्टर्न घाट की पहाड़ियों में 80 उपवनों के रखरखाव में मदद की है। पुणे का देवराय फाउण्डेशन तो ऐसे उपवन बना रहा है जिन्हें देवराय कहा जाता है। अब तक ये लोग पौधों की 119 प्रजातियों को संरक्षित कर चुके हैं, जिसमें जाएंट क्रेप मर्टल (मेंहदी) और इण्डियन कोरल ट्री भी हैं, जिसे पंगारा कहते हैं।

स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई बच्चों पर थोपने की नीति कैसे सफल होगी?

राज्यभर में हिन्दी माध्यम से पढ़ाने वाले 283 सरकारी स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में बदला गया है

■ **सरकारी घोषणा के अनुसार लक्ष्य है, प्रदेशभर में दो हजार स्कूलों को हिन्दी से अंग्रेजी माध्यम में तब्दील करना।**

बीकानेर, 12 अगस्त (कासं)। शिक्षा विभाग ने राज्य के 283 सरकारी स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम में तब्दील कर दिया है। इसमें 212 स्कूल ग्रामीण क्षेत्र के हैं, जबकि 71 स्कूल शहरी क्षेत्र के। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की घोषणा के मुताबिक प्रदेशभर में दो हजार स्कूलों को हिन्दी से अंग्रेजी माध्यम में तब्दील करना है। इसमें गांव और शहर दोनों में एक-एक हजार स्कूल हिन्दी से अंग्रेजी माध्यम में बदले जाने हैं।

खास बात यह है कि सरकार की अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने की नीती के विरोध में लगातार प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन का सिलसिला जारी है।

गत दिनों कोटपूतली कस्बे के राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम के साथ - साथ एक पारी में हिन्दी माध्यम कक्षाएं भी प्रारम्भ करने की मांग को लेकर कोटपूतली के प्रबुद्ध नागरिकों के एक शिष्ट मण्डल ने मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से भेंट कर अतिशीघ्र सरदार विद्यालय को दो पारियों में चलवाने की मांग की थी।

नारायणपुर में राज्य सरकार द्वारा बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय को महात्मा गाँधी इंग्लिश मीडियम में मर्ज किये जाने के बाद जो बच्चे हिंदी मीडियम के थे उनको स्कूल प्रबंधन ने स्कूल में पढ़ाने से मना कर दिया है। वो बच्चे जो प्रथम कक्षा से इसी स्कूल में पढ़े हैं उन्हे अन्य स्कूलों में भेजने के लिए मजबूर किया जा रहा है

अभिभावक, बड़ी कक्षा में बच्चों का माध्यम बदलने, अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाने वाले शिक्षकों की कमी व उनके प्रशिक्षित नहीं होने को लेकर विरोध कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के संचालन के लिए पर्याप्त भवन नहीं होना भी एक बड़ी समस्या के रूप में सामने आया है।

अभिभावकों और ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए शिक्षा विभाग ने पिछले दिनों स्कूलों को हिन्दी से अंग्रेजी माध्यम में बदलने के नियमों में फेरबदल किए थे। पहले बारहवीं तक के स्कूलों को हिन्दी से अंग्रेजी में बदल दिया था, लेकिन अब पहली से पांचवीं तक के स्कूल ही हिन्दी से अंग्रेजी में तब्दील हुए हैं। इन स्कूलों मे, कक्षा छह से बारह में फिलहाल हिन्दी माध्यम ही संचालित होगा। बाद में एक-एक क्लास हिन्दी से अंग्रेजी में बदलती जाएगी

मजेदार बात यह है कि, इन स्कूलों में इसी सत्र में पढ़ाई शुरू होगी और पहले साल कक्षा एक से पांच तक की क्लासों में ही अंग्रेजी माध्यम में एडमिशन हो सकेगा । बड़ा सवाल यह है कि, प्रशिक्षण के अभाव में अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाने को मजबूर ये शिक्षक बच्चों की पढ़ाई के साथ कितना न्याय कर पाऐंगे।

राज्य सरकार ने सभी जिलों में स्कूलों को हिन्दी से अंग्रेजी में बदला है। अकेले अजमेर व अलवर जिलों में ही 44 स्कूल बदल गए हैं। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के विधानसभा क्षेत्र में श्रीरामसर रोड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को भी हिन्दी से अंग्रेजी माध्यम में बदल दिया गया है। इसके अलावा जयपुर, उदयपुर,कोटा, अजमेर सहित अधिकांश जिलों में ग्रामीण स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम शुरू हो रहा है।

'नीतीश प्र.मंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि हम सब जनता के मुद्दों के विषय में बात करेंगे तथा इस बात पर विचार करेंगे कि बेहतर सामाजिक कैसे बनाया जा सकता है। नई सरकार पर ई.डी. और सी.बी.आई. के खुले भय के बारे में पूछे जाने पर, नीतीश ने कहा, ''मुझे ऐसा कोई डर या आशंका नहीं है।

एक चीज याद रखिये, अगर (एजेंसियों के) दुरुपयोग की आदत बन भी गई है, ऐसा करने में लिप्त लोगों पर लोगों की बारीक नज़र भी है।''

लेकिन उनकी पार्टी इसके कुछ ज्यादा ही निकट थी। जे.डी.यू. अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ने कहा, ''हमने कह दिया है कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री पद के प्रतिस्पर्द्धी नहीं हैं, लेकिन उनमें वे सभी गुण मौजूद हैं, जो प्रधानमंत्री बनने के लिये जरूरी हैं। राजीव रंजन सिंह ने पटना में मीडिया से कहा, ''एक बार बस नई सरकार काम करना शुरु कर दे, हम दिल्ली जायेंगे, पूरे भारत में भाजपा से लड़ने के लिये सर्वसम्मति बनाने के लिये सभी विपक्षी नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे।

नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार 24 अगस्त को राज्य विधानसभा में होने वाले फ्लोर टैस्ट में अपना बहुमत सिद्ध करेगी।

कुमार ने कहा कि मंत्रिमण्डल विस्तार 15 अगस्त से पहले हो सकता है। सूत्रों ने कहा कि जनता दल-यूनाइटेड की अपेक्षा आर.जे.डी. को मंत्री पद ज्यादा मिलेंगे।

महागठबंधन को विधानसभा में 164 सदस्यों का समर्थन प्राप्त है।

जे.के. लोन अस्पताल अधीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

■ **भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने कोटा जे.के. लोन अस्पताल के अधीक्षक डॉ. हीरालाल मीणा को 50,000 रू. की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।**

कोटा, 12 अगस्त (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कोटा इकाई ने स्थानीय जेकेलोन चिकित्सालय के अधीक्षक डा. हीरालाल मीणा को परिवादी से 50 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। ब्यूरो से मिली जानकारी के अनुसार परिवादी की फर्म द्वारा जेकेलोन चिकित्सालय कोटा में करवाए गए कार्यों के बकाया 30 लाख रुपए के बिलों को पास कराने की एवज में डॉ. मीणा ने 1लाख 70 हजार रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया।

रूस भारतीय रूपये को....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

युआन रुस और उसके नौकरशाहों के लिए एक नैसर्गिक विकल्प हो सकता है क्योंकि चीन-रुस का सबसे बड़ा व्यापार सहयोगी है।

रुस यदि अपनी अतिरिक्त आय को अमेरिकन डॉलर्स की प्रतिद्वंदी मुद्रा में कनवर्ट करने का निर्णय लेता है तो इससे चयनित देशों का हौंसला बढ़ेगा। मौद्रिक फण्ड्स प्रायः अमेरिकी डॉलर्स में संरक्षित रखे जाते है क्योंकि यह विदेशों के केन्द्रीय बैंकों की पसंदीदा परिसम्पत्ति है।

चीन अपनी मुद्रा युआन को भविष्य की रिजर्व करेंसी बनाने की दिशा में काम करता रहा है। पूरे विश्व में इसके विशाल ट्रेड वोल्यूम को देखते हुए चीन के लिए इस करेंसी को रिज़र्व करेंसी बनाना काफी आसान होगा, लेकिन परेशानी यह है कि युआन पर चीन की सरकार का दृढ़ नियंत्रण है।

आर्थिक मामलों में चीन की सरकार की जोड़तोड़ और उसके कुछ भ्रामक सांख्यिकीय आंकड़े युआन पर भरोसा सीमित करते रहे हैं। तथापि रुस अपनी खस्ताहाली के मुद्देनज़र भविष्य के उपयोग के लिए चाईनीज युआन की होल्डिंग में फायदे को देख रहा है। अगर भारतीय रुपए की बात की जाए तो यह करेंसी इन्टरनैशनल ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध नहीं रही है। इसका उपयोग मुख्यतः घरेलू बाजार में लेनदेन के लिए किया जाता है।

भारतीय रुपया अभी पूर्ण परिवर्तनीय नहीं है और इसका अब तक एक रिज़र्व करेंसी ना बन पाने का यह भी एक कारण है।

इसके अतिरिक्त रुपए का मूल्य अस्थिर भी सिद्ध हो रहा है। इसकी वजह यह है कि इससे बहुत कम अन्तर्राष्ट्रीय लेनदेन किए जाते हैं और इसकी विनिमय दर तीव्रता से घटती -बढ़ती है। अतः विशेषज्ञ भारतीय रुपए की किसी बड़ी भूमिका को लेकर चिन्हित है।

टर्की के लीरा के लिए तो जितना कहा जाए उतना कम है। देश की राष्ट्रपति की पेचीदा सोच के कारण कई गलत नीतियां लागू हो चुकी हैं, लेकिन टर्की की अर्थव्यवस्था फिर भी काफी बड़ी है और इसका विस्तार हो रहा है।

'सुल्ली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की सुनवाई कर रहा है जिसमें कई महिलाओं द्वारा अलग-अलग दायर की गई एफ.आई.आर. को क्लब करने की मांग की गई है।

जस्टिस संजय किशन कौल और एम.एम. सुंद्रेश की बैंच ने देखा कि इस प्लेटफार्म पर बहुत सारे अपलोड्स है और अधिकांश पीड़ित महिलाओं ने एफ.आई.आर. दर्ज करवाई है तो इन्हें क्लब कैसे किया जा सकता है।

इस ऐप में सैकड़ों महिलाओं को निशाना बनाया गया उनकी तस्वीरों से छेड़छाड़ की गई और उनकी मंजूरी के बिना शेयर किया गया।

जालोर में भगवा ध्वज को तोड़ने से माहौल गर्माया

■ **पुलिस ने तत्परता दिखाई, तीन जने गिरफ्तार।**

■ **हिन्दूवादी संगठन तीनों आरोपियों, असलम, अरमान और मंसूर के खिलाफ राष्ट्रद्रोह और धार्मिक भावनाएं भड़काने का मामला दर्ज करने की मांग कर रहे हैं।**

जालोर, 12 अगस्त (कासं)। जालोर शहर के अस्पताल चौराहे पर लगे भगवा ध्वज को तोड़ने को लेकर हिन्दू संगठनों में आक्रोश व्याप्त हो गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तीन जनों को गिरफ्तार कर मामले को शांत करवाया। इन संगठनों ने आरोपियों के खिलाफ राष्ट्रद्रोह व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का मामला दर्ज करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

जालोर शहर के व्यस्ततम अस्पताल चौराहे पर अरमान खां पुत्र रमजान खां जाति मुसलमान निवासी किले की घाटी जालोर, असलम पुत्र मंसूर ने अस्पताल चौराहे पर पिछले लम्बे समय से लगे हुये भगवा ध्वज को दुर्भावनापूर्वक जानबूझकर फाड़ा और डंडे को तोड़ कर फेंक दिया तथा हिंदुस्तान मुर्दाबाद, पाकिस्तान जिंदाबाद, भारत तेरे टुकड़े होंगे ईशा अल्लाह ईशा सर तन से जुदा जैसे नारे लगाये। जिस पर वहां पर मौजूद बजरंग दल के प्रवीण सिंह नाथावत, सुरेश पुत्र शंकर, हिम्मत सिंह पुत्र कान सिंह निवासी ढोला व अन्य लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

घटना की सूचना विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल सहित विभिन्न हिन्दू संगठनों से जुड़े सैकड़ो लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। अस्पताल चौराहे पहुंचकर इस मामले में लिप्त अन्य आरोपियो की गिरफ्तार करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया, जिससे माहौल गर्माया गया। लोगों के आक्रोश को देखते पुलिस ने अतिरिक्त जाब्ता तैनात कर दिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने अरमान, असलम, मंसूर व अन्य के विरुद्ध धार्मिक भावनाओं को आहत करने व राष्ट्रदोह का प्रकरण दर्ज करने की मांग की।

दिल के टुकड़े ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनावों में विपक्ष का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनने की उनकी कोई महत्वाकांक्षा नहीं है, वहीं, विपक्ष की एकता के बिहार के नमूने ने यह आशा जगाई है कि अन्य राज्यों में इसी तरह की रणनीति दोहराई जा सकती है। आगामी सप्ताहों में, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व कर्नाटक सहित कई राज्यों के सोशलिस्ट समूहों ने बैठकें आयोजित करने की योजना बनाई है।

पिछले 40 सालों में, भूतपूर्व जनता पार्टी से अलग हुए कई दल उभरकर आए हैं, जैसे, समाजवादी पार्टी, आर.जे.डी. व जे.डी.यू. तथा जे.डी. (एस), आई.एन.एल.डी. एवं आर.एल.डी.। वरिष्ठ सोशलिस्ट नेता अरूण श्रीवास्तव ने कहा, ''हमारा प्रयास जनता पार्टी परिवार को एक मंच पर लाने का है।''

भारतीय सोशलिस्टों की पुरानी ब्रिगेड में से, नीतीश कुमार ही हैं, जो प्रासंगिक हैं और सक्रिय हैं और माना जाता है कि, व्यापक रूपसे वो सभी पार्टियों को स्वीकार्य हैं। सन् 2013 में जब कुमार ने, भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नरेन्द्र मोदी के चयन का विरोध किया था उस समय उन्होंने विपक्षी नेताओं की कई बैठकों में भाग लिया था, इन चर्चाओं के बीच कि उन्हें विपक्ष का प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया जाएगा। लगभग दो दशकों तक भाजपा के गठबंधन सहयोगी होने के बावजूद, कुमार ने अपना सोशलिस्ट रूझान बरकरार रखा है तथा विपक्षी कैम्प में अपने संबंध भी बनाकर रखे हैं।

गत वर्ष जब आई.एन.एल.डी. नेता ओम प्रकाश चौटाला दस वर्ष की जेल के बाद रिहा हुए तब नीतीश कुमार पहले नेता थे जो उनसे मिलने गए थे।

वो विपक्षी कैम्प के उन चुनींदे नेताओं में एक हैं जिनके कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से अच्छे संबंध हैं।

विपक्ष की एकता किस तरह क्या रूप लेगी, बहुत कुछ कांग्रेस नेताओं तथा विशेष रूप से सोनिया गांधी पर निर्भर करेगा। बिहार के नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, जो आज दिल्ली पहुंचे, सोनिया गांधी से मिलने वाले थे। वो वामपंथी नेता सीताराम येचुरी व डी. राजा से भी मिले।

विपक्ष की एकता, या सन् 2024 लोकसभा चुनावों के लिए, प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नीतीश कुमार का चयन बहुत दूर की बात है। लेकिन यह तो स्पष्ट है: अपने नवीनतम कदम से, नीतीश ने विपक्ष के कैम्प में उम्मीद की एक किरण जगाई है।

पं. नेहरू ने 14 अगस्त...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का प्रतीकातमक प्रतिनिधित्व है।

इस स्वरूप (चक्र) का चयन आकस्मिक रूप से नहीं किया गया, बल्कि यह अशोक की राजधानी को चक्र से लिया गया था। दरअसल, वह चक्र कोई अशोक का आविष्कार नहीं था, यह अशोक से भी पुराना था। लेकिन यह तथ्य कि यह अशोक से संबंधित है तथा उसके स्तम्भों पर विद्यमान है, इसलिये इस विशेष रूप को अपनाना हमारे लिये एक अतिरिक्त प्रेरणा का हेतु रहा।

यह सुझाव कि चक्र और बड़ा होना चाहिये था, तथा इसे केसरिया एवं हरी पट्टियों को थोड़ा सा ढ़क लेना चाहिये था, इस पूरी डिज़ाइन की कलात्मकता की समझ की कमी को दर्शाता है। ऐसा करने से झंडा बिगड़ गया होता।

इस प्रकार यह झंडा, जिस रूप में अंगीकार किया गया, उन सभी अपेक्षाओं को पूरा करता है, जो हम इससे चाहते हैं। यह सुन्दर एवं कलात्मक है, यह मूलतः हमारे स्वातन्त्र्य संघर्ष एवं हमारी विजय का झंडा है, यह झंडा आम आदमी, भारत की संपूर्ण जनता का प्रतिनिधित्व करता है, और आधुनिक, जैसा कि यह है, होते हुये भी, यह हमें बहुत पहले की प्राचीन भारत की महान सांस्कृतिक परम्पराओं की ओर ले जाता है, जो किसी न किसी मात्रा में, युगों-युगों से चलती आई हैं। इस प्रकार से यह भारतीय संस्कृति के स्थायित्व तथा आज के भारत के गतिशील गुण- दोनों का ही ध्वज है, जिसे लेकर हमें आशा एवं विश्वास है कि झंडे के ये दोनों ही गुण इस देश की की जनता को बेहतरी एवं मुक्ति की ओर ले जाते रहेंगे।

(हिन्दुस्तान टाइम्स के संपादक को लिखा गया यह पत्र नेहरू ने 12 अगस्त, 1947 को लिखा था तथा 14 अगस्त, 1947 को मुद्रित/प्रकाशित हुआ था।)

भरी सभा में लेखक सलमान रश्दी पर जानलेवा हमला

न्यूयॉर्क में मंच पर लैक्चर देने के लिए उठते वक्त एक युवक ने चाकुओं से उनकी गर्दन और सीने पर कई वार किये

न्यूयॉर्क, 12 अगस्त। लेखक सलमान रुश्दी पर न्यूयॉर्क में चाकु मारकर जानलेवा किया गया। जानकारी के मुताबिक उनके एक लैक्चर से पहले शुक्रवार को उस समय रुश्दी पर चाकू से हमला किया गया जब वे पश्चिमी न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम में मौजूद थे। चौटाउक्वा इंस्टीट्ययूशन में एक शख्स ने मंच पर धावा बोल दिया और लेखक को चाकू मार दिया। रुश्दी पर हमला होने के बाद तुरंत वहां अफरा-तफरा मच गई और उन्हें फौरन इलाज के लिए ले जाया गया।

सलमान रुश्दी की किताब द सैटेनिक वर्सेज ईरान में 1988 से बैन है, क्योंकि कई मुसलमान इसे ईशनिंदा मानते हैं। ईरान के दिवंगत नेता अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी ने एक फतवा जारी किया था जिसमें रुश्दी की मौत पर इनाम रखा गया था। रुश्दी की हत्या करने वाले को 30 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम देने का ऑफर दिया गया था। ईरान की सरकार ने लंबे समय से खुद को खुमैनी के फरमान से दूर कर लिया है, लेकिन रुश्दी विरोधी भावना अब भी वहां बरकरार है। साल 2012 में एक ईरानी धार्मिक फाउंडेशन ने रुश्दी की हत्या पर घोषित इनाम को 2.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 3.3 मिलियन अमेरीकी डॉलर कर दिया था। सलमान रुश्दी एक विवादित लेखक रहे हैं और उन्हें पहले भी कई बार जान से मारने की धमकी मिल चुकी है. जानकारी के मुताबिक लेक्चर देने के लिए जैसे ही रुश्दी स्टेज पर पहुंचे वैसे ही एक शख्स ने उन पर मुक्के बरसाने शुरू कर दिए हैं। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि शख्स के हाथ में चाकू जैसा कोई नुकीला हथियार भी था। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रैस के मुताबिक हमलावर ने रुश्दी को मुक्के मारकर पहले फर्श पर गिरा दिया।

कांग्रेस की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर कांग्रेस नेतृत्व की भावहीन खामोशी रहस्यमय लग रही हैं।

कांग्रेस ने न तो नीतीश को सार्वजनिक रूप बधाई ही दी और न पार्टी मुख्यालय पर कोई मीटिंग ही बुलाई। यह बात अजीब इसलिये भी लग नही है, क्योंकि वो नीतीश ही थे, जिन्होने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को जून में परिवर्तन की हवा की सूचना सबसे पहले दी थी, जब वे कोविड-19 संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती थी। हालाँकि नीतीश ने वह शिष्टचार फोन-कॉल उनकी कुशल क्षेम पूछने के लिये किया था, लेकिन उन्हें सम्बन्धित प्रगति का संकेत देने के लिये प्रथम उपयुक्त व्यक्ति के रूप में उनको ही उचित माना था।

बताया जाता है कि सोनिया ने नीतीश से हुई अपनी बातचीत की जानकारी अपने एक निकटतम तथा विश्वसनीय व्यक्ति को दी थी तथा कहा था कि ''बिहार परिवर्तन की प्रतीक्षा में है तथा हमें यथाशीघ्र लालू प्रसाद (आर.जे.डी. के पुराने नेता) से सम्पर्क करने की जरूरत है ताकि नीतीश तथा लालू जी के बीच की दूरी को पाटा जा सके।'' यह ब्साात एक सूत्र ने सोनिया की रणनीति को उद्धृत करते हुये बताई।

उन्होंने कहा कि नीतीश ने कांग्रेस हाई कमान से मदद माँगी थी जिससे कि उनको भाजपा के दबाव के आगे झुकना नहीं पड़े। सोनिया ने उनसे कहा था कि वे राहुल गांधी के सम्पर्क में रहें तथा तेजस्वी (लालू के बेटे) तथा राहुल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वे दोनों बिहार में राजनैतिक परिवर्तन की बातचीत को आगे बढ़ाये।

जब प्रमुख गठबन्धन पार्टनरों ने बुनियाद तैयार कर दी तो कांग्रेस ने अपने बिहार प्रभारी भक्त चरण दास से कहा कि इस काम का खाका तैयार करें। मुख्य जोर इतना ज्यादा संख्या बल इकट्ठा करने पर रखा गया कि भाजपा के लिये तोड़-फोड़ तथा नई सरकार बनाना असम्भव हो जाये। इस प्रकार, 164 विधायकों का आँकड़ा सामने आया, जिसमें वामपंथी दल भी शामिल थे। इस पूरे घटनाक्रम के जानकार एक कांग्रेस नेता का कहना हैं, '' नीतीश कुमार ने सीधे ही सोनिया को पाँच फोन कॉल किये, जिसमें हाल ही के 24 घंटे में किये गये वो दो कॉल भी शामिल हैं, जो अब सबकी जानकारी में हैं।''

कांग्रेसी नेता ने कहा कि नीतीश ने यह गोपनीय बात सोनिया से साझा की थी कि गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा तथा राज्य प्रभारी एवं केन्द्रीय शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पटना आ रहे हैं तथा कभी उनके विश्वासपात्र रहे, नौकरशाह से राजनेता बने आर.सी.पी.सिंह की मदद से उनकी योजना जनता दल (यू.) को तोड़ने की है। नीतीश ने आर.सी.पी.सिंह को एक बार और राज्यसभा सदस्य बनाने से इनकार कर दिया तथा उन्हें पार्टी से निकाल दिया था।

तेलंगाना के मु.मंत्री चन्द्रशेखर राव का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जहां अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, में महरूम हैं।

के.सी.आर. ने स्थानीय मीडिया के सहयोग से तथ्यों और आंकड़ों के साथ प्रधानमंत्री पर एक कटु प्रहार किया, जिसमें उन्होंने उन्हीं तथ्यों को प्रस्तुत किया जिनका वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों से पूर्व मोदी ने प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी के रूप में इस्तेमाल किया था।

के.सी.आर. प्रधानमंत्री को जिस तरीके से कटघरे में खड़ा करते रहे हैं वैसा किसी ने नहीं किया। वह प्रधानमंत्री के बयानों की सत्यता की जांच करते हैं और कच्चे तेल, सामान्य मूल्य वृद्धि या अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रूपए के गिरते मूल्य जैसे विषयों पर प्रधानमंत्री से तीखे सवाल करते हैं।

बिहार के नाटकीय घटनाक्रमों ने के.सी.आर.और उनके परिवार के लिए निश्चित रूप से हौसला अफजाई का काम किया है। वे भाजपा से संघर्ष कर रहे हैं और उसके विस्तार को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उनके पुत्र एवं एक प्रमुख मंत्री के.टी. रामाराव (के.टी.आर.) जो राज्य सरकार में मंत्री हैं, और पुत्री कविता ने बिहार की नई राजनीतिक व्यवस्था का स्वागत किया है, जिसे वे स्वागत योग्य मानते हैं।

वास्तव में, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा को जिस तरह से चतुराईपूर्ण मात दी है, उससे अन्य राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को निश्चित रूप से यह संकेत जाता है कि यदि कोई बहादुरी, निडरता और जुझारूपन दिखाए दिखाए तो भाजपा को नियंत्रित किया जा सकता है।

और इसको लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री दर्शा रहे हैं कि वह कम नहीं पड़ते हैं और उनके पुत्र के.टी.आर. भी भाजपा पर प्रहार करने में कोताही नहीं बरतते हैं।

लेकिन, राजनीतिक विश्लेषक, जागरण लेकसिटी युनिवर्सिटी के कुलपति एवं लोकनीति नैटवर्क के राष्ट्रीय समन्वयक संदीप शास्त्री बिहार घटनाक्रमों को ज्यादा तवज्जो देने और राष्ट्रीय तथा अन्य राज्यों की राजनीति के लिए उन्हें आधार बनाने को लेकर आगाह करते हैं। प्रो. शास्त्री ने कहा कि प्रत्येक राज्य के चुनाव व राजनीति अलग-अलग तथा विशेष हैं, इसीलिए भाजपा को प्रत्येक राज्य और यहां तक कि लोकसभा चुनावों के दौरान भी अलग रणनीति होती है तथा कांग्रेस व अन्य पार्टियों को इसके लिए अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करना होता है।

और विपक्ष यदि मोदी बनाम एक्स या व्यक्तित्व के मुद्दे पर उलझ जाता है तो वर्ष 2024 की रेस शुरू होने से पूर्व ही समाप्त हो जाएगी क्योंकि भाजपा और मोदी इसमें कोसों आगे हैं।

उन्होंने कहा कि विपक्ष को भाजपा का मुकाबला व्यक्तित्व की बजाय मुद्दों, दृष्टिकोण और सोच के आधार पर करना चाहिए।

लेकिन तेलंगाना से के.सी.आर. और उनका परिवार बिहार घटनाक्रमों से प्रेरणा ले रहा है और इस बात की खुशी व्यक्त कर रहा है कि अन्ततः किसी ने तो भाजपा की बैकडोर राजनीति को अवरूद्ध किया है। निश्चित रूप से यह एक ऐसा घटनाक्रम है जिसे लेकर वह स्वयं भी चिंतित हैं कि कहीं ऐसा उनके राज्य में न हो जाए।

के.सी.आर. की पुत्री कविता ने कहा कि बिहार घटनाक्रम पूरे देश के लिए सकारात्मक बदलाव है क्योंकि नीतीश कुमार ने बैकडोर राजनीति के युग को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि ''नालंदा ने विश्व को हमेशा रास्ता दिखाया है और अब बिहार ने देश का मार्ग प्रशस्त किया है। मैं उम्मीद करती हूँ कि इसे हर कहीं दोहराया जाएगा।''

वर्तमान में पार्टी का पूरा ध्यान मुनुगोडे विधानसभा उप चुनाव पर है, चाहे यह कभी भी हो। यहां के निवर्तमान कांग्रेसी विधायक के. राजगोपाल रेड्डी ने जब अपनी विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल होने के अपने इरादों की घोषणा की तब यह सीट रिक्त हो गई।

उम्मीद है कि भाजपा उन्हें इसी सीट से पुनः मैदान में उतारेगी और टी.आर.एस. के लिए यह प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया है। यह उप चुनाव भाजपा के लिए भी एक अग्निपरीक्षा होगा क्योंकि इससे उसे यह पता चलेगा कि राज्य में उसका वजूद क्या है और यह देखना भी दिलचस्प होगा क्या जनता दल बदलुओं का समर्थन करती है या नहीं।

सफल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्वशासित द्वीप का बीच के रास्ते पर चलने में विश्वास और मजबूत हो गया है तथा वह बीजिंग और वॉशिंगटन के बीच ताकत के बड़े टकराव में अपना इस्तेमाल होने से इंकार करना चाहता है। वर्तमान राष्ट्रपति साई इंग-वेन के नेतृत्व में ताइवान के अधिकारियों ने चुपचाप अमेरिका का समर्थन किया और उससे हथियारों की बिक्री तथा सहयोग का वादा लेने का लाभ लिया है। उन्होंने चीन की घुड़कियों और धमकियों को इस द्वीप की दुर्दशा को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय जागरूकता का हिस्सा बना दिया है। लेकिन ताइवान ने कूटनीतिक जीत का ठिठोरा नहीं पीटा वरना चीन और अधिक आक्रामक हो जाता चीन के प्रकोप से बचने के प्रयासों में ही निहित है। जब बीजिंग ने हाल ही में उस समुद्र में, जो चीन और ताइवान को पृथक करता है, अपने दर्जनों लड़ाकू जलयान भेजे, तो ताइवान की सेना ने कहा कि वह आगे नहीं बढ़ेगी तथा उसने अपेक्षाकृत नरम कदम उठाये। अधिकारियों ने बड़े शिष्ट एवं संयत बयान दिये तथा 7 राष्ट्रों से मिले समर्थन/सहयोग का स्वागत किया। अमेरिकन अधिकारियों ने ताइवान को हथियारों की आपूर्ति करने का विचार किया है क्योंकि चीनी सैन्य अवरोध की स्थिति में इस द्वीप को हथियारों की सप्लाई मुश्किल हो जायेगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908